

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ इत्युक्तं च ननु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



॥ इत्युक्तं च ननु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु ॥

॥ इत्युक्तं च ननु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु यत्तु ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ
ॐ
ॐ
ॐ



ममृयकदितिकयमलिद्वयवावा
ममृयकदितिकयमलिद्वयवावा
ममृयकदितिकयमलिद्वयवावा
ममृयकदितिकयमलिद्वयवावा



ममृयकदितिकयमलिद्वयवावा
ममृयकदितिकयमलिद्वयवावा
ममृयकदितिकयमलिद्वयवावा
ममृयकदितिकयमलिद्वयवावा



Handwritten text in a script, likely Tibetan, enclosed in a rectangular border. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and appears to be a form of Manichaean or similar ancient script. The image is heavily degraded with significant noise and artifacts, particularly along the right edge and bottom.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

15
15
15
15

100
[Text in Tibetan script, likely a religious or philosophical manuscript. The text is written in a cursive style and spans multiple lines across the page.]

[illegible]

[illegible]

五



12



24

३१

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सन्मधुसूदन ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदो वीर्यवान्पुत्रस्तपस्विनः ॥
 धृष्टकेतुश्चक्रेवर्मासुतस्तुतः ॥ २ ॥
 धृष्टकेतुश्चक्रेवर्मासुतस्तुतः ॥ ३ ॥
 धृष्टकेतुश्चक्रेवर्मासुतस्तुतः ॥ ४ ॥
 धृष्टकेतुश्चक्रेवर्मासुतस्तुतः ॥ ५ ॥
 धृष्टकेतुश्चक्रेवर्मासुतस्तुतः ॥ ६ ॥
 धृष्टकेतुश्चक्रेवर्मासुतस्तुतः ॥ ७ ॥
 धृष्टकेतुश्चक्रेवर्मासुतस्तुतः ॥ ८ ॥
 धृष्टकेतुश्चक्रेवर्मासुतस्तुतः ॥ ९ ॥
 धृष्टकेतुश्चक्रेवर्मासुतस्तुतः ॥ १० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । विद्यायां कर्मणां च यत्नः प्रथमस्तथा । तदा योगो ध्यानादपि श्रेष्ठः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अध्यायः प्रथमः ॥
 अर्जुनस्य सन्निधौ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ १ ॥

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to severe fading or damage.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五
六
七
八
九

1997

[illegible]

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

100।
[The following text is a dense, handwritten manuscript in a script that appears to be Tibetan or a related language. It is written in a single line across the page, with some characters appearing to be in a different script or dialect. The text is highly stylized and difficult to transcribe accurately without specialized knowledge of the script. It begins with a large, bold character '100।' and continues with a long sequence of characters, some of which are repeated. The text is written in a dark ink on a light background, and the overall appearance is that of an ancient manuscript.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

5
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100

100
[Text in Tibetan script, likely a list or index, starting with a large '100' and followed by numerous entries in a vertical column.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

5

۵



— 5 —

५७

族

३५५

5

同

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमः शिवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमः शिवाय नमः । नमः शिवाय नमः । नमः शिवाय नमः । नमः शिवाय नमः ।

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

100।
[The following text is a dense Sanskrit manuscript, likely a list of names or a collection of short verses. It is written in a highly stylized, cursive script. The text is organized into a single line across the page, with some characters appearing to be in a different script or dialect. The text is highly legible and appears to be a well-preserved manuscript.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

129

[illegible]

[illegible]

५७
५८
५९
६०
६१
६२
६३
६४
६५
६६
६७
६८
६९
७०
७१
७२
७३
७४
७५
७६
७७
७८
७९
८०
८१
८२
८३
८४
८५
८६
८७
८८
८९
९०
९१
९२
९३
९४
९५
९६
९७
९८
९९
१००

५७
५८
५९
६०
६१
६२
६३
६४
६५
६६
६७
६८
६९
७०
७१
७२
७३
७४
७५
७६
७७
७८
७९
८०
८१
८२
८३
८४
८५
८६
८७
८८
८९
९०
९१
९२
९३
९४
९५
९६
९७
९८
९९
१००



॥ बुद्धाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



